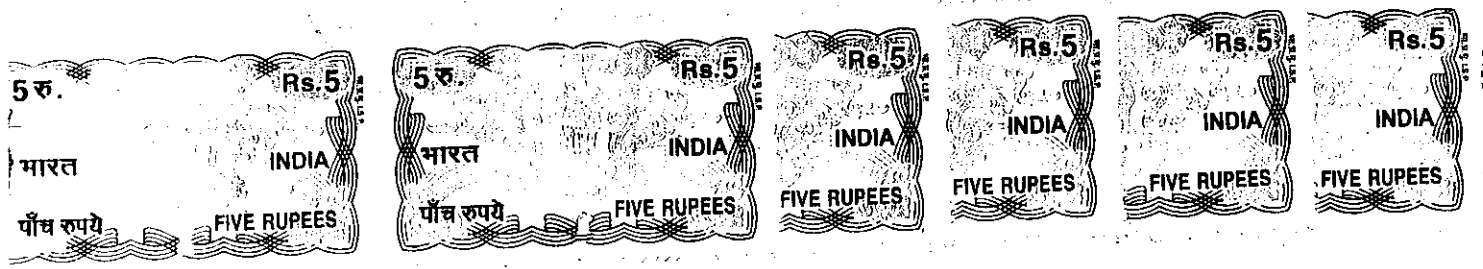


न्यायालय श्री मान् सदस्य महाक्य राजस्व मण्डल ग्वालियर सर्किट कोर्ट

रीवा म०प्र०

नगरानी प्रकरण क्रमांक R-5494-दो/16-2016



1- शिव सागर पिता वेदान्ती प्रसाद ज्ञा०

2- वेदान्ती पिता स्व० नारवमुनि ज्ञा० दांनो निवासीगण ग्राम खडौरा,

तहसील केसर जिला सिंगरली म०प्र० --- आपत्तिकर्तृगण/ निगराकार

वनाम

1- श्यामवती पति ज्ञा० प्रसाद ज्ञा० उम्र 55 साल निवासीग्राम खडौरा,

तहसील केसर जिला सिंगरली म०प्र०

2- शासन म०प्र०

आवेदक/ गंरनिगराकारगण

निगरानी विरुद्ध आवेश श्रीमान् अमर

कलेक्टर महाक्य सिंगरली जिला सिंगरली के

प्रकरण क्रमांक 12अ74/2013ज14 में पारित

आवेश दिनांक 18-10-2016

निगरानी अन्तर्गत नारा 50 म०प्र० मूराजस्व

सहिता सन 1959ई०

आवेदक गण को कोर्ट
श्री महेन्द्र कुमार
श्री शिव सागर प्रसाद
पुंजा 108-11-16
8-11-16
कराके आफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर
(सर्किट कोर्ट) रीवा

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ
भाग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 5494-दो/2016

जिला सिंगरौली

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
04-04-2017	<p>आवेदक द्वारा यह निगरानी अपर कलेक्टर सिंगरौली के प्रकरण क्रमांक 12/अ-74/13-14 में पारित आदेश दिनांक 18-10-2016 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में प्रकरण में उपलब्ध आदेश की सत्यापित प्रति का अवलोकन किया। अपर कलेक्टर ने विस्तार से विवेचना कर सहायक बंदोबस्त अधिकारी सिंगरौली के प्रकरण क्रमांक 22/अ-74/84-85 में पारित आदेश दिनांक 31-3-85 को प्रभाव में माना है। अपर कलेक्टर ने यह भी पाया है कि आवेदकगण को उक्त आदेश की सक्षम न्यायालय में अपील करना चाहिए था। जबकि प्रश्नाधीन भूमि का अज्ञानता वस इत्तलावी न करा पाने के कारण अपर कलेक्टर ने संबंधित मूल अभिलेखों का परीक्षण करते हुये प्रभाव में होने वाले आदेश का पालन राजस्व अभिलेख में करने के आदेश दिये हैं। अपर कलेक्टर द्वारा पारित आदेश में कोई अवैधानिकता प्रकट नहीं होती है। दर्शित परिस्थितियों में यह निगरानी प्रथमदृष्टया आधारहीन होने से ग्राह्यता के स्तर पर निरस्त की जाती है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p>(एस. एस. अली) सदस्य</p>